अमेरिका-ईरान तनातनी से मुश्किल में दुनिया

ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने मध्यपूर्व में पैट्रियट मिसाइलों और युद्धपोतों की तैनाती कर दी है। अमेरिका ने ईरान पर चौतरफा प्रतिबंध भी लगा रखा है। दुनिया के किसी भी देश को वह ईरान से व्यापार नहीं करने दे रहा है। उसने ईरान के रिवोल्युशनरी गार्ड कोर (आइआरजीसी) को विदेशी आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। वहीं ईरान ने कहा है कि अगर उसका तेल बेचने से रोका गया तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

ऐसे आई रिश्तों में खटास

अमेरिका पिछले साल ईरान समेत छह देशों के बीच हुई परमाणु संधि से बाहर हो गया था। राष्ट्रपति ट्रंप के इस समझौते को रद करने के पीछे ये वजह बताई जा रही थी कि वह साल 2015 में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय ईरान से हुई संधि से खुश नहीं थे। यही नहीं, ट्रंप ने दुनिया के देशों को धमकी देते हुए कहा कि ईरान से जो देश व्यापार करेगा वह अमेरिका से कारोबारी संबंध नहीं रख पाएगा। नतीजा यह हुआ कि ईरान पर अमेरिका और यूरोप में खुलकर मतभेद सामने आए। यूरोपीय यूनियन ने ईरान के साथ हुए परमाणु समझौते को बचाने की कोशिश की लेकिन ट्रंप नहीं माने। अब अमेरिका वॉर्सोवा में मध्य-पूर्व पर एक सम्मेलन करा रहा है। वह चाहता है कि ईरान विरोधी गठजोड़ में इजरायल, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के साथ यूरोप भी एकमत से शामिल हो जाए। ईरान एक बार फिर से संकट में घिरा हुआ है। ट्रंप प्रशासन को उम्मीद है कि इस तरह से घेरकर वह ईरान सरकार को नया समझौता करने के लिए मजबूर कर लेंगे और इसके दायरे में सिर्फ ईरान का परमाणु कार्यक्रम ही नहीं बल्कि बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम भी होगा।

गैरकानूनी है प्रतिबंध

ईरान ने अमेरिकी पाबंदियों को गैरकानूनी बताया है। उसका कहना है कि वह किसी भी हालत में झुकने वाला नहीं है। ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने कहा है कि उनके पास अमेरिकी प्रतिबंधों का जवाब देने के लिए कई विकल्प हैं। जिसमें परमाणु अप्रसार संधि से अलग होना भी शामिल है।

भारत सहित दुनिया पर असर

अमेरिका ने ईरान से कच्चे तेल के आयात के लिए भारत समेत आठ देशों को जो छूट दी थी वह 2 मई को खत्म हो गई। अब भारत ईरान से तेल नहीं खरीद सकेगा। ईरान से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वालों में चीन के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देशों के रिश्तों के बीच कोई खास असर नहीं पड़ेगा। हालांकि अमेरिका के फैसले के बाद अगर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आता है तो इसका असर पड़ेगा। सबसे पहले रुपये की कीमत गिरेगी।

ईरान पर असर

ढलान पर आर्थिक विकास

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से ईरान की अर्थव्यवस्था कई वर्षों तक बुरी तरह प्रभावित रही है। 2015 में राष्ट्रपति हसन रूहानी ने उन प्रतिबंधों को हटाने के बदले में ईरान की परमाणु गतिविधियों को सीमित करने के लिए अमेरिका और पांच अन्य देशों के साथ एक समझौते पर सहमति जताई थी। समझौता लागू होने के बाद ईरान की अर्थव्यवस्था वापस पटरी पर लौटी और जीडीपी 12 .3 फीसद बढ़ी। लेकिन नए सिरे से अमेरिकी प्रतिबंधों ने जीडीपी विकास दर को गिरा दिया है।

जीडीपी वृद्धि दर

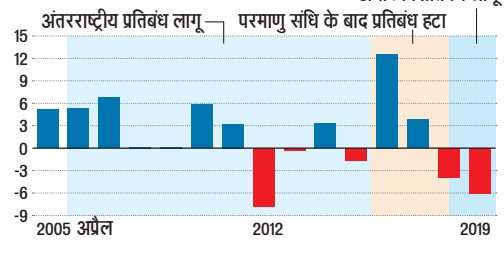

तेल निर्यात पर असर

(प्रतिदिन दस लाख बैरल उत्पादन)

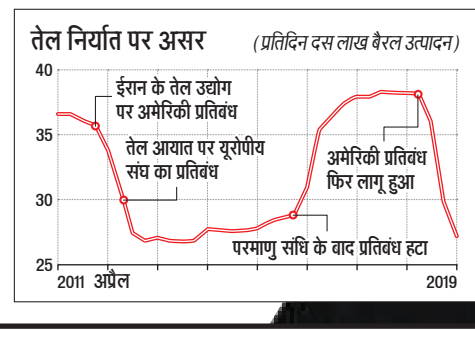

ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी

न्यूज गैलरी

दुबई में कूल्हे की सर्जरी के बाद भारतीय महिला की मौत

दुबई : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 42 वर्षीय भारतीय महिला बेट्टी रीता फर्नांडिस की एक निजी अस्पताल में सर्जरी के बाद पैदा हुई जटिलताओं के कारण मौत हो गई। पेशे से शेफ फर्नांडिस को कूल्हे के प्रत्यारोपण की सर्जरी के लिए गत नौ मई को दुबई के अल जाहरा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दो घंटे तक चली सर्जरी के बाद उनका निधन हो गया। इसको लेकर उनके पति ने अस्पताल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दुबई स्वास्थ्य प्राधिकरण इस मामले की जांच-पड़ताल कर रहा है। मूल रूप से मुंबई की रहने वाली फर्नांडिस यहां 'बेट्टीज केक टेल' नामक स्टोर चलाती थीं। उन्हें जन्म से ही कूल्हे से संबंधित समस्या थी। अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुहायेम अब्देलगनी ने कहा, 'सर्जरी के बाद बेट्टी रीता फर्नांडिस के निधन के मामले की डीएचए और संयुक्त अंतराष्ट्रीय आयोग द्वारा तय दिशा-निर्देशों के अनुसार कई स्तर पर पड़ताल की जा रही है।' (प्रेट्र)

इंटरपोल प्रमुख रहे मेंग की पत्नी को फ्रांस ने दी शरण

पेरिस: इंटरपोल के पूर्व प्रमुख मेंग होंगवेई की पत्नी ग्रेस ने कहा है कि फ्रांस ने शरण देकर उनकी और उनके दो बेटों की जिंदगी बचा ली है। इसके लिए उनका परिवार फ्रांस का शुक्रगुजार है। मेंग को चीन ने दौरे के वक्त गिरफ्तार कर लिया था। ग्रेस का आरोप है कि चीन ने ऐसा राजनीतिक कारणों से किया। ग्रेस मेंग के कानूनी सलाहकार ने बताया कि फ्रांस सरकार ने शरण मांगने की उनकी अर्जी पर विचार किया और पिछले हफ्ते उन्हें शरणार्थी का दर्जा दिया है। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने इस पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। कहा है कि वह किसी व्यक्ति विशेष के मामले पर टिप्पणी नहीं करता। ग्रेस मेंग ने कहा है कि अब वह फ्रांस में रहने के काबिल हो गई हैं। यहां वह इंटरपोल के साथ रहेंगी, जिसने उन्हें पूरी सुरक्षा का भरोसा दिया है। यहां से वह अपने पति के लिए संघर्ष कर सकेंगी। अपने पति की मौजूदगी और उनके जिंदा रहने के बारे में सूचनाएं प्राप्त करने का प्रयास कर सकेंगी। (एपी)

पाकिस्तान को 42 हजार करोड़ देगा आइएमएफ

इस्लामाबाद: आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) तीन साल में छह अरब डॉलर (लगभग 42 हजार करोड़ रुपये) की मदद देने जा रहा है। इस संबंध में दोनों के बीच एक समझौता हुआ है। डॉन न्यूज ने प्रधानमंत्री के वित्त, राजस्व और आर्थिक मामलों के सलाहकार डॉ. अब्दुल हफीज शेख के हवाले से बताया है कि स्टाफ स्तरीय इस समझौते को वाशिंगटन स्थित आइएमएफ के निदेशक मंडल से मंजूरी मिलनी बाकी है। आइएमएफ के मुताबिक इस समझौते का उद्देश्य घरेलू और बाहरी असंतुलन को कम करने के साथ ही विकास में रुकावट को दूर करना, पारदर्शिता को बढ़ाना और सामाजिक खर्चों में वृद्धि करके मजबूत और अधिक समावेशी विकास के लिए पाकिस्तान को तैयार करना है। (प्रेट्र)

चिंताजनक ▶ दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने की आशंका

तेल टैंकरों पर हमले के बाद खाड़ी देशों में बढ़ा तनाव

बिगड़ सकते हैं हालात, ईरान ने कहा- समुद्री सुरक्षा भंग कर सकते हैं विदेशी खिलाड़ी

संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा में हमले का शिकार बना सऊदी अरब का तेल टैंकर अमजद। एएफपी

फुजैरा, एएफपी/रायटर : अमेरिका और ईरान में बढ़े तनाव के बीच सऊदी अरब के तेल टैंकरों पर हमला हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की जल सीमा में चार तेल टैंकरों पर हुए हमले के बाद खाड़ी देशों में तनाव बढ़ गया है और तेल मूल्य बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। सऊदी अरब ने सोमवार को कहा कि उसके दो तेल टैंकरों को निशाना बनाया गया है। सऊदी के ऊर्जा मंत्री खालिद अल-फालिह ने कहा कि दो टैंकरों को काफी नुकसान हुआ है लेकिन किसी व्यक्ति को चोट नहीं पहुंची और न ही समुद्र में तेल फैला। यूएई ने रविवार को कहा था कि कई देशों के चार वाणिज्यिक जहाजों को फुजैरा शहर के पास निशाना बनाया गया।

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने अपनी मास्को की प्रस्तावित यात्रा रद कर दी और ईरान के बारे में यूरोपीय अधिकारियों से चर्चा के लिए ब्रुसेल्स रवाना हो गए। ब्रिटेन ने अमेरिका और ईरान के बीच टकराव बढ़ने की चेतावनी देते हुए कहा है कि इससे खाड़ी क्षेत्र में हालात बिगड़ सकते हैं। ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने यूरोपीय यूनियन और अमेरिकी विदेश मंत्री के बीच वार्ता होने तक शांति बनाए रखने की अपील की है। ईरान ने समुद्र में पोतों पर हमले को चिंताजनक बताते हुए जांच की मांग की है। इसके साथ ही तेहरान ने आगाह किया कि समुद्री सुरक्षा को भंग करने के लिए विदेशी प्लेयर्स कोई दुस्साहस कर सकते हैं। अमेरिका ने पहले ही क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। यही नहीं, ईरान की ओर से पैदा हुए कथित खतरे का मुकाबला करने के लिए फारस की खाड़ी में अमेरिका बी-52 बमवर्षक विमानों की तैनाती कर रहा है।

गौरतलब है कि फुजैरा पोर्ट यूएई का अकेला ऐसा टर्मिनल है जो अरब सागर के तट पर स्थित है और इस रास्ते से ज्यादातर तेल का निर्यात होता है। फालिह ने बताया कि एक टैंकर सऊदी आयल टर्मिनल से क्रूड आयल लोड करने जा रहे थे, जिसे अमेरिका पहुंचाया जाना था।

अमेरिका ने हमले की आशंका जताई थी : सऊदी अरब, इराक, यूएई, कुवैत, कतर और ईरान के भी ज्यादातर तेल का निर्यात हॉर्मूज जलडमरूमध्य से होता है और यह आंकड़ा कम से कम 1.5 करोड़ बैरल्स प्रतिदिन है। अमेरिका ने आगाह किया था कि ईरान क्षेत्र में समुद्री यातायात को निशाना बना सकता है।

खाड़ी सहयोग परिषद ने कहा, क्षेत्र में बढ़ सकता है संघर्ष : छह देशों वाली खाड़ी सहयोग परिषद के महासचिव अब्दुल लतीफ बिन राशिद अल जयानी ने कहा कि ऐसी गैरजिम्मेदाराना हरकतों से क्षेत्र में तनाव बढ़ेगा और इसका नतीजा संघर्ष के रूप में निकल सकता है।

स्वीडन ने फिर शुरू की असांजे पर लगे आरोप की जांच

स्टॉकहोम, रायटर : विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे एक और मुसीबत में घिर गए हैं। स्वीडन में उन पर लगे दुष्कर्म के आरोप की जांच फिर शुरू कर दी गई है। स्वीडन सरकार जल्द ही इस संबंध में ब्रिटेन से उनके प्रत्यर्पण की भी मांग करेगी। विकिलीक्स के मुख्य संपादक क्रिस्टीन हैफन्सन ने कहा है कि इस जांच से असांजे को खुद को निर्दोष साबित करने का मौका मिलेगा।

ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार असांजे पर वर्ष 2010 में स्वीडन की दो महिलाओं से दुष्कर्म और यौन दुर्व्यवहार का आरोप लगा था। 2017 में इस मामले की जांच रोकनी पड़ी थी क्योंकि असांजे ने लंदन स्थित इक्वाडोर के दूतावास में शरण ले ली थी। लंबे समय से दूतावास में छिपे असांजे को पिछले महीने गिरफ्तार कर लिया गया था। विकिलीक्स में अमेरिका खुफिया जानकारियां उजागर करने के लिए अमेरिका भी असांजे के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि उन्हें कहां प्रत्यर्पित किया जाएगा? स्वीडन की अभियोजन अधिकारी इवा मैरी पेरेस ने कहा, 'मैं इससे अवगत हूं कि असांजे को अमेरिका भी प्रत्यर्पित किया जा सकता है। लेकिन 2017 में रुकी जांच जारी रखते हुए जल्द ही इस मामले में प्राथमिक रिपोर्ट बनाई जाएगी।' लंदन के वकील का कहना है कि दुष्कर्म मामले की संवेदनशीलता देखते हुए असांजे को स्वीडन प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

टेरिजा मे की पार्टी ओपिनियन पोल में पांचवें पायदान पर

लंदन, रायटर : ब्रिटेन की प्रधानमंत्री टेरीजा मे को 23 मई को होने वाले यूरोपीय यूनियन (ईयू) के संसदीय चुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। ओपिनियन पोल में उनकी कंजरवेटिव पार्टी महज दस फीसद वोट के साथ पांचवें पायदान पर खिसक गई है। माना जा रहा है कि इससे टेरीजा पर प्रधानमंत्री पद छोड़ने का दबाव बढ़ गया है। कंजरवेटिव पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा भी है कि टेरीजा मे अगले हफ्ते पद छोड़ने की अपनी योजना का एलान कर सकती हैं।

टाइम्स अखबार की ओर से कराए गए इस ओपिनियन पोल में निगेल फेराज के नेतृत्व वाली ब्रेक्जिट पार्टी सबसे पंसदीदा दल के तौर पर उभरी है। उसे 34 फीसद लोगों ने पसंद किया है। विपक्षी लेबर पार्टी 16 फीसद वोट के साथ दूसरे स्थान पर है। ब्रिटेन के ईयू के साथ रहने का समर्थन करने वाली लिबरल डेमोक्रेट्स को 15 और ग्रीन्स को 11 फीसद लोगों ने पसंद किया है। फेराज ने कहा, 'ब्रेक्जिट पार्टी के प्रति लोगों में भारी रुचि बढ़ी है, क्योंकि लोग एक लोकतांत्रिक देश में रहना चाहते हैं।' फेराज की पार्टी का गठन इसी साल जनवरी में हुआ था।

ईयू से हटने के समर्थकों में गिरावट: तीन साल पहले ईयू से ब्रिटेन के अलग होने का समर्थन करने वालों की संख्या में गिरावट आई है। उस समय जनमत संग्रह में 52 फीसद लोगों ने इसका समर्थन किया था, लेकिन ताजा सर्वे में यह गिरकर 48 फीसद पर आ गया है।

751 सदस्यीय है यूरोपीय संसद: यूरोपीय संसद 751 सदस्यीय है। इसके सदस्य सीधे चुनकर आते हैं। ये चुनाव 1979 से हर पांच साल पर कराए जा रहे हैं और इसमें यूरोपीय देशों की सियासी पार्टियां हिस्सा लेती हैं। यूरोपीय संसद में ईयू के सभी देशों को जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व मिला है।

यूरोपीय यूनियन के संसदीय चुनाव से पहले हुए सर्वे में नवगठित ब्रेक्जिट पार्टी को बढ़त

ईयू से अलग होने पर असमंजस बरकरार

ईयू से अलग होने के लिए ब्रिटेन में करीब तीन साल पहले जनमत संग्रह कराया गया था, लेकिन ब्रिटिश नेताओं में इस बात को लेकर अब भी कोई सहमति नहीं बन पाई है कि ब्रिटेन कब और कैसे ईयू से बाहर होगा? इस बात पर भी असमंजस है कि ब्रिटेन ईयू से बाहर हो या नहीं? ब्रिटेन को ईयू से गत 29 मार्च को बाहर होने था, लेकिन समझौते को ब्रिटिश संसद से मंजूरी नहीं मिलने के कारण इसे अक्टूबर तक की मोहलत मिली है।

अमेरिका में ट्रंप के रिजॉर्ट के बाहर गोलीबारी, एक की मौत

राष्ट्रपति ट्रंप के रिजॉर्ट के बाहर गोलीबारी के बाद मौके पर छानबीन में जुटे पुलिसकर्मी। एएफपी

वाशिंगटन, एपी : अमेरिका के मियामी प्रांत के खूबसूरत समुद्र तट पर स्थित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आलीशान रिजॉर्ट के बाहर गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। अज्ञात लोगों द्वारा रविवार को अंजाम दी गई इस घटना में दो लोग घायल भी हैं।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, रविवार दोपहर को सनी आइल बीच स्थित ट्रंप इंटरनेशनल बीच रिजॉर्ट के बाहर गोलीबारी की खबर मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को कई वाहनों पर गोली के निशान दिखे। रिजॉर्ट से कुछ दूरी पर खड़ी कार में एक व्यक्ति मृत मिला, उसके सिर में गोली लगी थी। मृतक की पहचान 43 साल के मुहम्मद ज्रादी के रूप में हुई है, जो एक शॉपिंग सेंटर में काम करता था। एक अन्य कार में गोली लगने से घायल 19 साल की युवती मिली। उसे तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर है। गोलीबारी में पांच साल का एक बच्चा भी घायल हो गया था जिसे इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है। पुलिस ने मौके से कई हथियार भी बरामद किए हैं।

चीन की नौसेना में दो मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत शामिल

बीजिंग, प्रेट्र : अपनी नौसेना को मजबूत करने में जुटे चीन ने पिछले सप्ताह दो मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत नौसेना में शामिल किए। ये टाइप 052डी विध्वंसक पोत बीते शुक्रवार को दालियान में नौसेना में शामिल किए गए। इसके साथ ही चीन के पास इस तरह के युद्धपोतों की संख्या 20 हो गई है।

चीन ने इन युद्धपोतों में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया है। ये आधुनिक हथियारों और उपकरणों के साथ ही उन्नत रडार प्रणाली और 64 वर्टिकल लांच मिसाइल से लैस हैं। उल्लेखनीय है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पैठ बनाने के लिए चीन अपनी नौसेना को तेजी से विकसित कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन के पास अब 20 टाइप 052डी विध्वंसक हो गए हैं, जो या तो नौसेना में सक्रिय हैं या जल्द ही नौसेना को अपनी सेवाएं देने लगेंगे।

सैन्य विशेषज्ञ वेंग डांग्जु के मुताबिक भविष्य में चीन के पास ऐसे 30 से ज्यादा विध्वंसक होंगे। इसके अलावा 2012 में चीन ने अपना पहला विमान वाहक पोत नौसेना में शामिल किया था। इसी तरह के दूसरे पोत का ट्रायल चल रहा है और तीसरा अभी विकसित किया जा रहा है। आने वाले वर्षों में चीन के पास पांच से छह विमान वाहक पोत होंगे।

श्रीलंका में सोशल मीडिया पर फिर पाबंदी

कोलंबो, प्रेट्र : श्रीलंका के पश्चिमी तटवर्ती शहर चिलाव में एक विवादित फेसबुक पोस्ट के चलते बवाल होने के बाद सोशल मीडिया पर सोमवार को फिर पाबंदी लगा दी गई। फेसबुक पोस्ट के चलते शहर में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी और भीड़ ने कई मस्जिदों और मुस्लिमों की दुकानों को निशाना बनाया था। इस घटना के बाद शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया था।

पिछले माह हुए आतंकी हमलों से श्रीलंका अभी उबर भी नहीं पाया था कि चिलाव शहर में बवाल भड़क गया। यह बवाल रविवार शाम तक कुलियापितिया तक पहुंच गया और इस शहर में भी एक मस्जिद और कई दुकानों को निशाना बनाया गया। एक मुस्लिम दुकानदार के फेसबुक पोस्ट के बाद बवाल शुरू हुआ। मुस्लिम दुकानदार की पहचान 38 वर्षीय अब्दुल हमीद मुहम्मद हसमर के रूप में की गई। उसने पोस्ट में लिखा, 'ज्यादा खुश मत हो, एक दिन तुमको रोना पड़ेगा।' स्थानीय ईसाई समुदाय के लोगों ने इस पोस्ट को हमले की चेतावनी समझा। अधिकारियों ने कहा कि अल्पसंख्यक मुस्लिमों और बहुसंख्यक सिंहलियों के बीच झड़प होने के बाद फेसबुक और वॉट्सएप पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जबकि पुलिस प्रवक्ता रुवान गुनासेखरा ने कहा, 'चिलाव और कुलियापितिया से कर्फ्यू को हटा लिया गया है।'

कुरुनेगल के कई गांवों में कर्फ्यू : फेसबुक पोस्ट को लेकर कुरुनेगल जिले में भी कई मस्जिदों और मुस्लिमों की दुकानों को निशाना बनाया गया। पुलिस ने इस जिले में कई उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। यहां भी कर्फ्यू लगाना पड़ा था। सेना के प्रवक्ता सुमित अट्टापट्टू ने कहा कि सोमवार को कुरुनेगल के कई अन्य गांवों में भी कर्फ्यू लगा दिया गया।

सोशल मीडिया पर कई बार लगे थे प्रतिबंध : श्रीलंका में गत 21 अप्रैल को ईस्टर के मौके पर चर्चों और लक्जरी होटलों पर हुए आत्मघाती हमलों के बाद अफवाह और फर्जी खबरों पर अंकुश लगाने के लिए सोशल मीडिया पर कई बार पाबंदी लगाई गई थी। इन हमलों में करीब 260 लोग मारे गए थे और 500 से ज्यादा घायल हुए थे।

श्रीलंका में हमले की चेतावनी मिलने के बाद सोमवार से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। तीनों सशस्त्र बलों के कमांडरों ने हालांकि कहा कि आतंकी हमले का कोई खतरा नहीं है।

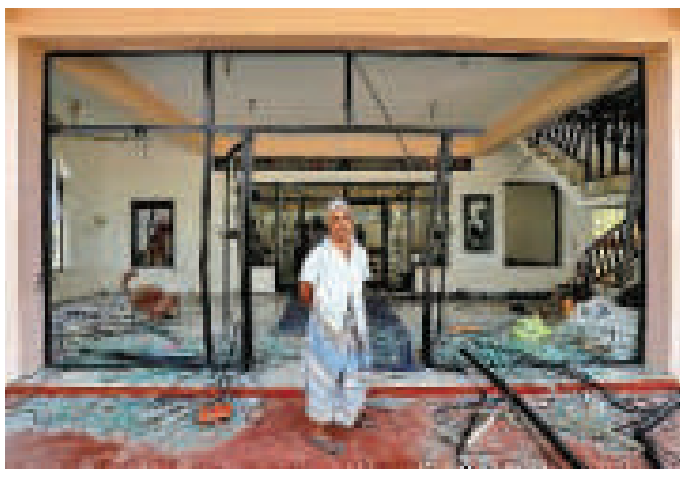
श्रीलंका के किनियामा स्थित मस्जिद में उग्र भीड़ के हमले के बाद सोमवार को मौके पर जायजा लेता मुस्लिम समुदाय का व्यक्ति। रायटर

गंभीर स्थिति

आतंकी हमलों के चलते क्वेटा शहर से दूर दो अलग बस्तियों में रहने को मजबूर हैं अल्पसंख्यक समुदाय के लोग, झेल रहे हैं मानसिक प्रताड़ना...

पाकिस्तान के हजारा समुदाय पर मंडरा रहा अस्तित्व का संकट

क्वेटा, एएफपी : पाकिस्तान का शिया हजारा समुदाय अस्तित्व पर संकट का सामना कर रहा है। लगातार आतंकी हमलों के चलते ये अल्पसंख्यक बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में शहर से दूर दो अलग बस्तियों में रहने को मजबूर हैं। यहां भी वह पूरी तरह स्वतंत्र और निर्भीक होकर नहीं रह सकते। दोनों बस्तियों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा बलों ने कई जगह चेक प्वाइंट बनाए हैं। सैनिकों की सुरक्षा के बगैर वे शहर से कोई सामान लाने भी नहीं जा सकते।

हजारा समुदाय के एक कार्यकर्ता ने बताया कि ये बस्तियां किसी जेल से कम नहीं हैं। यहां रहने वाले हजारों लोग मानसिक प्रताड़ना झेल रहे हैं। चारों तरफ कड़ी सुरक्षा के बाद भी यहां आतंकी हमलों का खतरा मंडराता रहता है। पिछले महीने ही यहां के सब्जी बाजार पर हमला हुआ था, जिसमें 21 लोग मारे गए थे और 47 घायल हुए थे। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट और उसके समर्थन वाले स्थानीय शिया विरोधी समूह लश्कर-ए-झांगवी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। पाकिस्तान खासकर बलूचिस्तान में सामुदायिक हिंसा आम है। मध्य एशियाई लोगों की तरह दिखने के कारण कट्टरपंथी हजारा समुदाय को बाहरी मानते हैं। बीते पांच सालों में हुए आतंकी हमलों में सिर्फ क्वेटा में 500 हजारा लोगों की मौत हुई और 627 घायल हुए। 2013 में इन बस्तियों के अंदर भी कई बम विस्फोट हुए थे। इसके चलते करीब एक लाख लोग यहां से पलायन कर गए थे। स्थानीय निवासी नौरोज अली ने बताया कि हमें पता है कि हम लोग बहुत ही खतरनाक इलाके में रह रहे हैं, लेकिन हमें अपने परिवारों को पालने के लिए कमाना भी है। हिंसक घटनाओं को रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों की जब आलोचना की जाती है तो वे संघर्ष में अपने लोगों की मौतों को गिनाना शुरू कर देते हैं। हिंसा को रोकने के लिए अधिकारी कहते हैं कि वे अपनी ओर से पूरा प्रयास कर रहे हैं।

पाक में क्वेटा के समीप हजारा कस्बे में स्थित स्कूल में पढ़ाई करतीं शिया हजारा समुदाय की बच्चियां। एएफपी

एक स्थानीय पुलिस अधिकारी अब्दुर रज्जाक चीमा ने कहा, 'पिछले लगभग छह साल से हम इन्हें बचाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन इस संघर्ष में हजारा लोगों से ज्यादा हमारे सैनिक मारे गए हैं।' उन्होंने कहा कि कई आतंकियों को हमने गिरफ्तार भी किया है और अन्य का हम सफाया कर चुके हैं, लेकिन अब एक नया ग्रुप उभर रहा है। इसके सफाये के लिए हम अपनी ओर से प्रयास कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि हमारी योजना थी कि यहां के बाजारों में सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, पर हजारा समुदाय के नेता इस योजना पर संदेह जता रहे हैं। एक स्थानीय अखबार में छपे एक लेख में कहा गया है कि यदि तीन किलोमीटर के भीतर बने तीन चेक प्वाइंट हमें आतंकियों से बचा नहीं सकते तो सीसीटीवी कैमरों से कितना लाभ हो सकता है।

'भारत से कांट्रेक्ट मिला तो कहीं और नहीं बेचेंगे नए एफ-21'

अमेरिकी विमानन कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली, प्रेट्र : अमेरिकी विमानन कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने कहा है कि अगर भारत से उसे 114 विमानों का ऑर्डर मिल गया तो वह अपने नए एफ-21 युद्धक विमान किसी और देश को नहीं बेचेगी। कंपनी के इस प्रस्ताव को उसके अमेरिकी, यूरोपीय और रूसी प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

लॉकहीड मार्टिन में रणनीति और कारोबारी विकास के उपाध्यक्ष विवेक लाल ने एक साक्षात्कार में बताया कि अगर एफ-21 ने कांट्रेक्ट हासिल किया तो भारत को कंपनी के वैश्विक युद्धक तंत्र में भी शामिल किया जाएगा जो करीब 165 अरब अमेरिकी डॉलर का बाजार है। उन्होंने कहा कि इस नए लड़ाकू विमान को भारत के 60 से ज्यादा वायुसैनिक अड्डों से संचालित कर सकने के लिहाज से डिजायन किया गया है। इसकी प्रमुख विशेषताओं में इंजन मैट्रिक्स, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक प्रणाली और हथियार ले जाने की क्षमता है। मालूम हो कि भारतीय वायुसेना ने पिछले महीने 18 अरब डॉलर की लागत से 114 युद्धक विमान खरीदने के लिए 'जानकारी के लिए अनुरोध' (रिक्वेस्ट फॉर इंफॉरमेशन) या शुरुआती निविदा जारी की थी।

हाल के वर्षों में इसे दुनिया की सबसे बड़ी खरीद माना जा रहा है। इस सौदे के प्रमुख प्रतिस्पर्धियों में लॉकहीड मार्टिन का एफ-21, बोइंग का एफ/ए-18, दासौ एविएशन का राफेल, यूरोफाइटर का टाइफून, रूस का मिग-35 और साब का ग्रिपेन शामिल है।